**स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर स्वामी विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का संबोधन**

———

आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। जिनके नाम से यह विश्वविद्यालय है, आज उन स्वामी विवेकानंद जी की जन्म जयंती है। इस जन्म जयंती को हम युवा दिवस के रूप में भी मनाते हैं। विश्वविद्यालय के नाम से ही नौजवानों में नई ऊर्जा, नया संकल्प, नया विश्वास जागता है। विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में सभी नौजवानों, विद्यार्थियों, सभी अतिथिगण, इस विश्वविद्यालय के सभी प्रोफेसर, डीन सबको मैं आज छठे दीक्षांत समारोह की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ, बधाई देता हूँ।

आज का दिन उन नौजवानों के लिए महत्वपूर्ण दिन है, जब उन्होंने अपनी शिक्षा प्राप्त की, और शिक्षा के बाद आज उपाधि प्राप्त कर एक नए जीवन की शुरूआत करने जा रहे हैं। विद्यार्थी जीवन में उन्होंने अपने डीन, प्रोफेसर से मार्गदर्शन लिया, उच्च शिक्षा प्राप्त की, तकनीकी शिक्षा प्राप्त की, कृषि की शिक्षा प्राप्त की, मैनेजमेंट की, विज्ञान की शिक्षा प्राप्त की। अलग-अलग 100 से ज्यादा विषयों में उन्होंने शिक्षा प्राप्त की और आज उनको उपाधि मिली है। उनके लिए तो एक बड़ा दिन है ही, लेकिन आज उन शिक्षकों के लिए भी बड़ा दिन है, जिन्होंने उनको शिक्षा दी, दीक्षा दी, अच्छे संस्कार दिए, विचार दिए, जीवन में एक दिशा दी और विशेष रूप से जिन्होंने पैदा किया, उन माता-पिता के लिए बड़ा उत्सव का दिन है कि उनके बेटे-बेटियों ने आज यह उपाधि प्राप्त की है।

मुझे खुशी है कि जिस विश्वविद्यालय में आप अध्ययन कर रहे हैं, उन्होंने बहुत कम समय के अंदर देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में अपनी ख्याति प्राप्त की है।

एक अच्छी शिक्षा से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से, अच्छे संस्कारों से, अच्छे विचारों से, जिसके कारण अलग-अलग प्रदेश के विद्यार्थी तो पढ़ ही रहे हैं, साथ ही 17 से ज्यादा देशों के विद्यार्थी भी यहां अध्ययन कर रहे हैं। इसके लिए मैं संस्था के सभी ट्रस्टियों को बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं, बधाई देता हूं। यह हमारी जिंदगी का एक महत्वूपर्ण क्षण है और नये दौर की ओर हमारे जीवन की शुरुआत है। हमें अभी तक कोई न कोई मार्गदर्शन देने वाला था, दिशा देने वाला था। अब हमें हमारी दिशा तय करनी है, लक्ष्य तय करना है। जो कुछ भी यहां से सीखा है, अनुभव प्राप्त किया है, उसके आधार पर देश की सेवा भी करनी है और अपने कैरियर की नई शुरुआत भी करनी है। मुझे आशा है कि जिस विश्वविद्यालय में आप पढ़े हैं, जो कुछ भी सामर्थ्य, जो कुछ भी शिक्षा आपने प्राप्त की है, उससे आपके नये कैरियर के अंदर आप और अधिक आकांक्षा से, और नये सपने देखकर, उन सपनों को पूरा करने के लिए उन लक्ष्यों की ओर बढ़ेंगे।

स्वामी विवेकानंद जी ने उस समय कहा था कि अगर देश में कोई परिवर्तन लाना है, परिवर्तन की दिशा तय करनी है, तो हमें देश में ऊर्जावान, सामर्थ्यवान, बुद्धिमान नौजवानों की आवश्यकता है, जो देश के अंदर परिवर्तन का दौर लायें।

आज हम उस सपने को पूरा होते हुए देख रहे हैं। उस समय का विचार, उस समय का सपना आज भारत का नौजवान पूरा कर रहा है। आज भारत के नौजवान की ऊर्जा, उसका सामर्थ्य, उसकी बुद्धि, उसका कौशल, उसका चिंतन, उसकी सोच, नये इनोवेशन के कारण आज भारत का नौजवान दुनिया में भी नेतृत्व कर रहा है, भारत में भी नेतृत्व कर रहा है। दुनिया की जितनी बड़ी चुनौतियां हैं, उन चुनौतियों का समाधान भारत का नौजवान अपनी नयी इनोवेशन से, नये रिसर्च से और अपने सामर्थ्य से दे रहा है।

आज इसीलिए हमें गर्व है कि दुनिया के विकसित देशों के अंदर भी वहां की कंपनीज़ में अगर कोई सीईओ है तो वह भारत का नौजवान है। आईटी से लेकर जितने भी

प्रोफेशनल कोर्सेज़ हैं, उसके अंदर भारत का नौजवान नेतृत्व कर रहा है। दुनिया के अंदर भारत के नौजवानों की मांग है। यह मांग इसलिए है कि हमारी बौद्धिक क्षमता और ऊर्जा ज्यादा है।

आज हमें गर्व है कि हमारे देश के 70,000 से ज्यादा स्टार्टअप और 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न देश और दुनिया की चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं। देश की आम जनता को हर समस्या का समाधान चाहे वह नये रिसर्च , स्कील्ड या सर्विस सेक्टर के अंदर हो, उन तमाम क्षेत्रों के अंदर जहां चुनौतियों का सॉल्यूशन नहीं होता था, उन चुनौतियों का सॉल्यूशन निकालने का काम भारत के नौजवानों ने किया है। यह हमारी शक्ति और सामर्थ्य है। यह हमारा 25 साल का दौर है, जिसमें हमारी दुनिया की वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता बढ़ रही है।

जी-20 का नेतृत्व भारत कर रहा है। इस समय दुनिया को बताने का हमारे पास एक अवसर है कि हमारी सोच और हमारी संस्कृति केवल हमारे देश तक नहीं है बल्कि हमारे देश और हमारी संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम' की है। जितनी शांति और स्थिरता होगी, विश्व उतना ही प्रगति करेगा। इसलिए, जी-20 के अंदर हमारी सामर्थ्य और शक्ति को दिखाने का एक मौका आया है। लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत सबसे प्राचीनतम लोकतंत्र है। इस लोकतंत्र के माध्यम से हमने आजादी के 75 वर्ष के अंदर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन करके एक दिशा देने का काम किया है।

दुनिया के सबसे बड़े विशाल देश में विशालता, विविधता, अलग-अलग संस्कृति है, आज हमें गर्व है कि हमारी सामूहिक ताकत तो लोकतंत्र के कारण है। लोकतंत्र की जननी भारत है। हम विश्व को यह भी बताना चाहते हैं कि जितनी चुनौतियां हैं, उन चुनौतियों का नेतृत्व भी भारत ही कर रहा है, चाहे जलवायु परिवर्तन की चुनौती हो, चाहे क्लीन एनर्जी की

चुनौती हो, वैश्विक स्तर पर जो भी चुनौतियां आईं, उन चुनौतियों का समाधान देने का काम भारत ने किया है।

आपने मुझे बताया कि आपने एग्रीकल्चर सैक्टर में नए इनोवेशन किए हैं। आने वाले समय में जिस तरीके से हमने चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, योग चिकित्सा के माध्यम से दुनिया को संदेश दिया कि आयुर्वेद योग की पद्धति से व्यक्ति स्वस्थ हो सकता है और स्वस्थ तन और मन के लिए योग विज्ञान पद्धति ही सबसे महत्वपूर्ण है। आज दुनिया में अधिकतम विकसित देशों के अंदर आप जाएंगे तो वहां योग टीचर की कमी है। योग विज्ञान से जोड़कर हमने इस आधुनिक युग में बताया कि स्वस्थ होने की सर्वश्रेष्ठ पद्धति योग है। इसी तरीके से आने वाले समय में हमारे एग्रीकल्चर सैक्टर में काम करने वाले नौजवान बढ़ रहे हैं, नई रिसर्च कर रहे हैं, नए इनोवेशन कर रहे हैं।

भारत कृषि प्रधान देश है, कोई समय था जब हम अन्न बाहर से मंगाते थे, अब समय आया है कि जब हम अन्न एक्सपोर्ट कर रहे हैं। हम जिस मोटे अनाज की बात कर रहे हैं, पुनिया जी नागौर से बैठे हैं, कभी बाजरा, ज्वार, चना, मजबूरी में खाया जाता था, आज दुनिया में जितने बड़े लोग हैं, जो फाइव स्टार होटल में जाते हैं, जब उनको स्पीकर कांफ्रेंस में बाजरे की रोटी मिली तो उन्होंने कहा- आज तो मजा आ गया, बाजरे की रोटी मिली।

संसद के अंदर हमने उस मोटे अनाज के सौ आइटम बनाकर भारत के 130 करोड़ लोगों के प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों को बताया कि दुनिया के अंदर आने वाले समय में भारत मोटे अनाज का सबसे ज्यादा निर्यात करेगा। ऐसे कई विकल्पों की सोच है। ऐसे कई विचार हैं, कई इनोवेशन हैं, जिसे देने का काम आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर भारत करेगा, इसीलिए हम कहते हैं कि भारत का नौजवान ही हमारी ताकत है। नौजवान, जो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा है, तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहा है, एक समय आएगा जब विश्वविद्यालय रिसर्च के सैंटर होंगे, इनोवेशन के सैंटर होंगे और दुनिया का रिसर्च और

इनोवेशन हमारे विश्वविद्यालय के कैम्पसों से होगा। विश्व की चुनौतियों का समाधान कैम्पस में होगा, हमारा नौजवान करेगा। हमें इसी सामर्थ्य के साथ, इसी संकल्प के साथ जाना है।

स्वामी विवेकानंद जी का जो विचार है, हमें उस विचार को लेकर जाना है। दुनिया में हर चुनौती का समाधान हमारे पास है। हम में आत्मविश्वास है, सोचने और संकल्प लेने की ताकत है। हम नए विचारों की ताकत रखते हैं। हम में अद्‌भुत क्षमता है। उठो, जागो और आने वाले समय में दुनिया पर राज करो, यही हमारा नारा है।

———